VISION IAS

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2418)

Name of Candidate	Bhaker Pratap Singh		
Medium Eng./Hindi	HINDI	Registration Number	440668
Center	Online	Date	21-Aug-23

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **HINDI & ENGLISH**
   इसमें बीस प्रश्न हैं **हिन्दी और अंग्रेजी** में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. विजयनगर साम्राज्य की मूर्तियों में अंतर्निहित प्रमुख लक्षणों का सविस्तार वर्णन कीजिए।
Elaborate on the key traits inherent to the sculptures of the Vijayanagara Empire. (Answer in 150 words) 10

विजयनगर साम्राज्य की स्थापना हरिहर व बुक्का ने 1335 के आसपास की इस साम्राज्य में कृष्णदेवराय जैसे महान शासक हुए। ये सभी उत्कृष्ट निर्माता और वास्तुकला प्रेमी थे। हम्पी के मन्दिरो इत्यादि में स्थापित मूर्तियाँ इनकी विलक्षण कल्पनाशीलता और निर्माण क्षमता की परिचायक है।

मूर्तियों में अंतर्निहित प्रमुख लक्षण :

① सामग्री : स्थानीय पत्थर, सेलखड़ी, कुछ मामलों में लाल बलुआ पत्थर।

② मुख्य विषय : पौराणिक देवता, घोड़े, हाथी, नदी तथा राजा की मूर्तियाँ, नृत्यरत नृत्यांगनाएँ इत्यादि मूर्तियों की स्थापना की गयी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रभाव: इनकी मूर्तिकला में चोल, पाण्ड्य, होयसल व राष्ट्रकूट मूर्तिकला का प्रभाव दिखता है। जटिल व सूक्ष्म नक्काशी, त्रिआयामी संयोजन इत्यादि विजयनगर मूर्तिकला की प्रमुख विशेषता है।

समापन: विजयनगर साम्राज्य में उत्कृष्ट वास्तुकला निर्माणों के साथ मूर्तिकला की विलक्षण विशेषताएँ प्रदर्शित होती हैं।

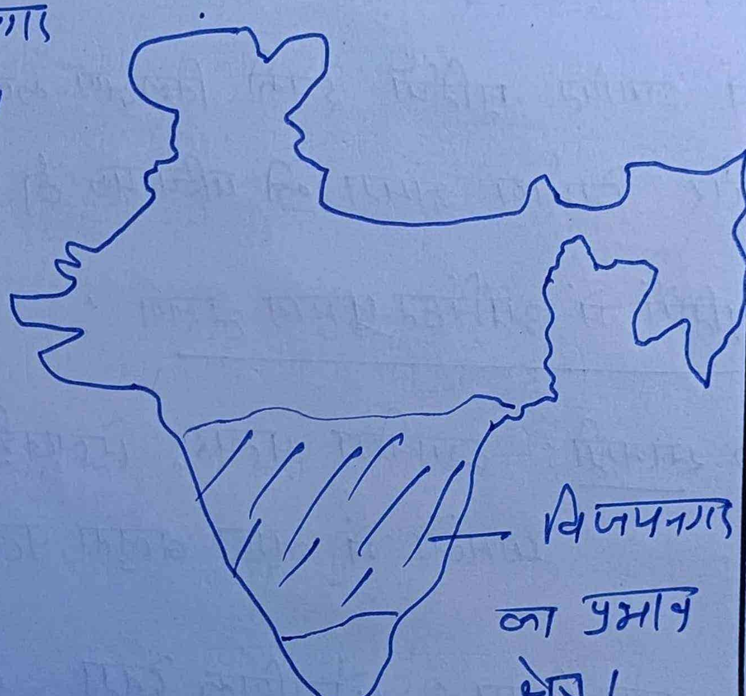

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2\. महिला क्रांतिकारियों ने भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष में साहसिक और अविस्मरणीय योगदान दिया है। चर्चा कीजिए।

Women revolutionaries made brave and unforgettable contributions to the freedom struggle in India. Discuss. (Answer in 150 words) 10

सरोजनी नायडू, मांतगनी हाजरा, सुचेता कृपलानी, उषा मेहता, सावित्रीबाई फुले, एनीबेसेण्ट इत्यादि महिलाओं ने स्वतन्त्रता संग्राम में अहिंसक प्रदर्शनों और राजनीतिक भागीदारी तथा समाज सुधार कार्यों में सक्रिय भागीदारी की साथ ही कुछ महिला क्रांतिकारियों ने विभिन्न क्रांतिकारी संगठनों और व्यक्तिगत क्रांतिकारी कार्यों से भारतीय स्वतन्त्रता संघर्ष में साहसिक व अविस्मरणीय योगदान दिया जैसे-

① बीना दास : अपनी स्नातक डिग्री लेने के दौरान गवर्नर पर नज़दीक से गोली चलाई।

② प्रीतिलता तथा कल्पना दत्त : इन दोनो महिला क्रांतिकारियों ने सूर्यसेन द्वारा ~~सह~~ चटगांव शस्त्रागार लूट काण्ड में सक्रिय सहयोग दिया तथा अंतत: दोनो पुरुष क्रांतिकारियों संग गिरफ्तार हुयी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

शांति घोष और सुनीति चौधरी : इन्होंने युगान्तर समूह में भागीदारी की और कई भूमिगत क्रांतिकारी घटनाओं में भाग लिया। दोनों ने अपने बदनाम जिला मजिस्ट्रेट की गोली मार कर हत्या कर दी।

उषा मेहता : उषा मेहता ने (भारत छोड़ो आंदोलन -1942 में भागीदारी की। सरकार के दमन के चलते इन्होंने भूमिगत रेडियो संचालित किए और आंदोलन में जन भागीदारी में वृद्धि की।

समग्रत: भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम में जितनी अहम भूमिका पुरुष क्रांतिकारियों की रही उतनी ही महिला क्रांतिकारियों की थी। इनकी प्रेरणा से ही स्वतन्त्रता आंदोलन में महिला भागीदारी में वृद्धि हुयी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. चर्चा कीजिए कि अंग्रेजों द्वारा भारत में अंग्रेजी शिक्षा की शुरुआत ने किस प्रकार देश में उपनिवेशवाद विरोधी प्रवृत्ति को मजबूत करने में सहायता प्रदान की है।

Discuss how the introduction of English education in India by the British helped strengthen anti-colonialism in the country. (Answer in 150 words) 10

अंग्रेजी साम्राज्य स्थापना (1757) के पश्चात आंग्ल-प्राच्य तथा भारतीय भाषाओं को शिक्षा का माध्यम बनाने पर विद्वानों में मतभेद रहा अंतत: 1835 में लार्ड मैकाले द्वारा अंग्रेजी को भारतीय शिक्षा का माध्यम चुना गया।

अंग्रेजी को शिक्षा का माध्यम बनाने के कारण

- ताकि प्रशासन हेतु अंग्रेजी में दक्ष भारतीयों की सेवाएँ प्राप्त की जा सकें
- भारतीयों की मनोभावना व संस्कृति परिवर्तित कर उन्हें मन से 'अंग्रेज बनाना' ताकि ब्रिटिश उत्पादों के लिए स्थायी मांग बनायी जा सके
- अधोगामी निस्यंदन सिद्धांत की अवधारणा

इस शिक्षा प्रणाली का प्रभाव भारतीयों में उपनिवेश विरोधी भावना विकास के रूप में पड़ा जिसके

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

निम्न कारण से

1. भारतीय पश्चिमी ज्ञान, विज्ञान तार्किक चिंतन से परिचित हुए।

2. अंग्रेजी साम्राज्य का स्वरूप समझा

   eg: दादाभाई नौरोजी - "पावर्टी इन अनब्रिटिश रूल इन इण्डिया पुस्तक"

(3) बुद्धिजीवियों ने पश्चिमी ज्ञान व प्राचीन भारतीय ज्ञान का तुलनात्मक अध्ययन किया → समाज सुधार आंदोलन → आत्मविश्वास → उपनिवेशवाद विरोधी भावनाएँ राष्ट्रवाद की जागृति → भारतीयता की भावना में वृद्धि।

(4) पश्चिमी स्वतन्त्रता, समानता, एकता के मूल्य से परिचय → भारतीय समाज की आंतरिक विषमताएँ भूलकर → एक भारत की कल्पना व स्वतन्त्रता के लिए संघर्ष आरम्भ।

(5) पश्चिमी विज्ञान से परिचय - भारतीय पिछड़ेपन से → भारतीयों के उद्धार की छटपटाहट।

समाहार! अंग्रेजों की भारतीयों को अंग्रेजी शिक्षा की नीति अंततः इसी के साम्राज्य की नींव को पहचानने में मददगार रही।

4. 20वीं सदी के अंत में सोवियत संघ के विघटन का भारत पर दूरगामी प्रभाव पड़ा है। चर्चा कीजिए।

The disintegration of the Soviet Union in the late 20th century had a profound impact on India. Discuss. (Answer in 150 words) 10

1971 में भारत व USSR की शांति, सहयोग व मैत्री संधि के बाद से ही USSR भारत का समय परिक्षित व विश्वसनीय मित्र रहा पर 1991 में USSR के विघटन का भारत पर दूरगामी प्रभाव पड़ा

1991 में भारत की स्थिति
- भुगतान संतुलन संकट का दौर।
- आर्थिक स्थिति खराब
- कश्मीर में अस्थिरता
- USA के साथ संबंधों में खराब का दौर।

USSR विघटन के कारण
- संघटक राज्यों यथा युक्रेन, मध्य एशियाई गणराज्यों में उग्र राष्ट्रवाद।
- उदारवादी मिखाइल गोर्बाचेव का शासन
- उनकी पेरेस्त्रोइका व ग्लास्नोस्त की आर्थिक नीतियां
- USSR की कमजोर आर्थिक-सामाजिक स्थिति

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारत पर दूरगामी प्रभाव

1. भारत में समाजवादी अर्थव्यवस्था की जगह पूंजीवादी अर्थव्यवस्था की ओर बड़ा झुकाव।

यः LPG सुधार।

2. एकध्रुवीय विश्व में भारत ने USA से संबंध सुधारे - यः 2004 में विज्ञान प्रौद्योगिकी मंच
यः 2008 में भारत-US परमाणु साझेदारी

3. भारत ने रक्षा आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाना आरम्भ किया।

4. USSR की जगह रूस से रिश्तो का पुनर्निर्माण प्रारम्भ।

समग्रतः USSR के विघटन से भारतीय आर्थिक-राजनीतिक, वैश्विक कूटनीतिक परिवेश में प्रभाव पड़ा भारत ने पश्चिम से संबंध सुधारे व आंतरिक सुधारों पर ध्यान केन्द्रित किया।

5. मौजूदा मुद्दों को ध्यान में रखते हुए, भारत में शहरी अवसंरचना और परिवहन (मोबिलिटी) सेवाओं में सुधार की आवश्यकता पर लैंगिक दृष्टिकोण से चर्चा कीजिए।

In view of the prevailing issues, discuss the need for reforming the urban infrastructure and mobility services in India through a gender lens. (Answer in 150 words) 10

भारतीय शहर प्रायः लैंगिक दृष्टि से डिजाइन और विकसित नहीं होते इस कारण विशेषतः महिलाओं और LGBTQ+ समुदाय को विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

वर्तमान में मौजूदा मुद्दे
- शौचालयों का अभाव
- सड़कों पर पैदल पार पथों का अभाव।
- सार्वजनिक स्थानों में महिला सीटें आरक्षित नहीं।
- उत्पीड़न से सुरक्षात्मक उपायों का अभाव
- परिवहन साधनों में खामियाँ व कमियाँ।
- अवसंरचनात्मक खामियाँ जो लैंगिक संवेदनशीलता को ध्यान में नहीं रखती

आवश्यक सुधार

शहरी अवसंरचना में

①: पर्याप्त शौचालयों व विश्रामगृहों का निर्माण
↳ महिला सुविधा के नज़रिये से।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) दिल्ली मेट्रो व दिल्ली बस सेवा की तरह महिलाओं के परिवहन के साधनों में सीट आरक्षण
उदा: मेट्रो में महिला डिब्बा

(3) पर्याप्त सुरक्षा उपाय उदा: पिंक बूथ।
उदा: कैमरों की स्थापना व एकल कमाण्ड एण्ड कंट्रोल सिस्टम।

(4) अवसंरचना को लैंगिक संवेदनशील बनाना
उदा: अधिकांश शहरों, सड़कों, स्थानों के नाम पुरुषों पर आधारित।

परिवहन सेवाओं में

(1) महिलाओं की सेवाएँ उदा: महिला बस ड्राइवर

(2) सुरक्षित वैकल्पिक परिवहन सेवाओं की स्थापना
उदा: 24x7 की

(3) अंतिम कनेक्टिविटी पर ध्यान देना।

एमतः सामाजिक, आर्थिक, पर्यावरणीय व शहरी अवसंरचनात्मक पहलुओं को 'स्मार्ट सिटी मिशन' तथा 'अमृत' योजना में शामिल करना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. भारत में, 2011-21 में वृद्धजनों की जनसंख्या की वृद्धि दर सामान्य जनसंख्या की वृद्धि दर से लगभग तीन गुना थी। इस संदर्भ में, चर्चा कीजिए कि वृद्धजनों हेतु नीतियों का निर्माण भारत के समग्र विकास के लिए एक महत्वपूर्ण पहलू क्यों है।

In India, the rate of growth of elderly population in 2011-21 was about three times the rate of growth of the general population. In this context, discuss why policies for the elderly are a crucial aspect for India's overall development. (Answer in 150 words) 10

भारत विश्व का सबसे युवा देश है। यहाँ वृद्धों की आबादी 8.6% (2021) है जो 2050 तक 15% से अधिक हो जाएगी इसलिए वृद्ध देखभाल व नीति निर्माण समग्र विकास में आवश्यक है।

नीतियों की आवश्यकता

(1) सामाजिक सुरक्षा : रिटायरमेंट के पश्चात निश्चित आय बनी रहे, - यथा: वृद्धावस्था पेंशन।

(2) स्वास्थ्य देखभाल आवश्यक : वृद्धजनों को सुनने, आँख, घुटने इत्यादि संबंधी समस्याएं।
- मानसिक देखभाल → वृद्धों का अकेलापन

(3) सामुदायिक संपर्क संबंधी नीतियों का निर्माण
यथा: वृद्धावस्था आश्रम, - सामुदायिक संपर्क बनाने हेतु

④ <u>डिजिटल साक्षरता में वृद्धि</u>: - ताकि वृद्ध अपनी आवश्यकताओं, डिजिटल सुविधाओं का लाभ ले सकें।

सरकार की वर्तमान नीतियाँ

- PM वयोवृद्ध योजना
- वृद्धावस्था पेंशन योजना
- नौकरी पेशा वर्ग हेतु नयी पेंशन स्कीम।
- अटल पेंशन योजना
- मानसिक स्वास्थ्य देखभाल नीति (2017)
- आयुष्मान भारत योजना।

समाज विकास में वृद्धजनों की भूमिका

- समाज को परंपरा व आधुनिकता में संतुलन की सीख के संचालन
- अनुभव यथा: सिविल सेवकों का अनुभव देश के विकास में भागीदार
- संयुक्त परिवार में महत्व: यथा बच्चों की देखभाल में महत्व
- देश के महत्वपूर्ण नागरिक।

समाधान: वृद्धजनों हेतु ठोस नीति निर्माण व उसका प्रभावी क्रियान्वयन के प्रयास करने चाहिए

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. यद्यपि वैश्वीकरण मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए कथित तौर पर जिम्मेदार है, तथापि यह मानवाधिकार आंदोलनों को इसके अतिक्रमण और नकारात्मक प्रभावों को मुकाबला करने की अनुमति देता है। प्रासंगिक उदाहरणों के साथ सविस्तार वर्णन कीजिए।

While globalisation is allegedly responsible for human rights violations, it allows human rights movements to counter its excesses and negative effects. Elaborate with relevant examples. (Answer in 150 words) 10

वैश्वीकरण से तात्पर्य आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, सामुदायिक, संचार, मनोरंजन इत्यादि विविध पहलुवों में सम्पूर्ण विश्व की परस्पर अंतक्रिया है।

वैश्वीकरण से वैश्विक विकास, जागरूकता, तकनीकि का विकास हुआ है पर साथ ही यह मानवाधिकार उल्लंघनों का भी कारण बना है

जैसे: ① पर्यावरणीय दृष्टिकोण :
उदा: विकसित देशों द्वारा खतरनाक रसायनों व इलेक्ट्रानिक कचरों का विकासशील देशों में डंपिंग।

② विदेश उद्योग स्थापना : उदा: खतरनाक उद्योगों की गरीब देशों में स्थापना।

③ खनिज, संसाधनों का एकतरफा दोहन उदा: अफ्रीकी सोना, हीरा, पेट्रोलियम, प्राकृतिक उत्पादों हेतु विभिन्न देशों का वहाँ संघर्ष - आतंकवाद को बढ़ावा, आधुनिक उपनिवेशवाद तथा मानवाधिकार उल्लंघन।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(4) सैन्य शक्ति प्रयोग : यः मानवाधिकार संरक्षण के नामपर USA का मध्य-पूर्व, इराक में सैन्य अभियान।

(5) वैश्विक प्रतिस्पर्धा : यः चीन में मुस्लिमों का शोषण।

हालांकि वैश्वीकरण कुछ प्रयासों में मानवाधिकार के संरक्षण का सहयोगी भी बना है जैसे—

(1) मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा
यः रूस को UN मानवाधिकार संस्था से युक्रेन युद्ध के कारण बर्खास्त करना।
यः मानवाधिकार उल्लंघन ICJ में म्यांमार के विरुद्ध केस।

(2) विभिन्न देशों द्वारा आवाज़े यः अफ्रीकी नृजातीय लोगों पर USA, फ्रांस में भेदभाव के विरुद्ध वैश्विक आवाज़।

अतः! वैश्वीकरण का मानवाधिकार संबंधी मिला जुला असर पड़ा है। वहीं सिविल सामाजिक, विभाग से इसके नकारात्मक प्रभाव और कम हो पाएंगे।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. हिमालय की वर्तमान अपवाह प्रणाली काफी हद तक क्रमिक नदी अपहरण का परिणाम है। चर्चा कीजिए।

The present drainage system of the Himalayas is, to a great extent, the result of progressive river piracy. Discuss. (Answer in 150 words) 10

हिमालय का निर्माण भारतीय उपमहाद्वीप के यूरेशियाई भूमि से टकराने के साथ प्रारम्भ हुआ। पर्वतों की ऊँचाई बढ़ने के साथ ही क्रमिक नदी अपहरण प्रक्रिया से गंगा, सिंधु, सतलज तथा ब्रह्मपुत्र जैसी विशाल नदियों का विकास हुआ।

क्रमिक नदी अपहरण

नदी का क्षैतिज व अधःकर्तन द्वारा अपने पड़ोस की नदी को अपने में मिला लेना क्रमिक नदी अपहरण कहलाता है।

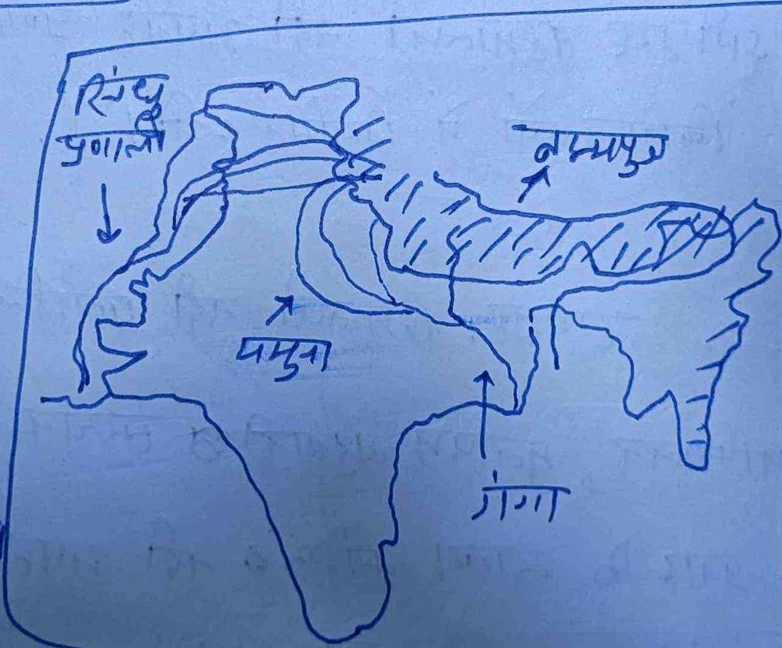

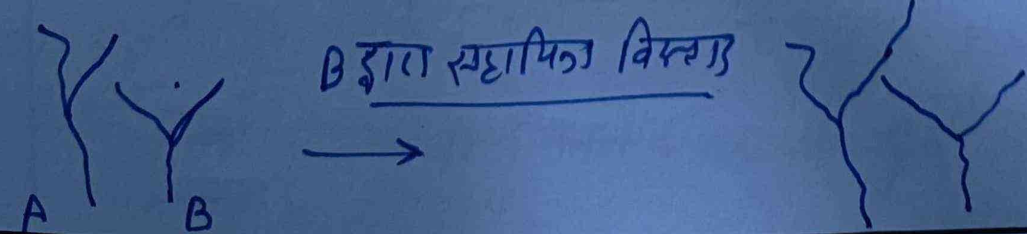

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ 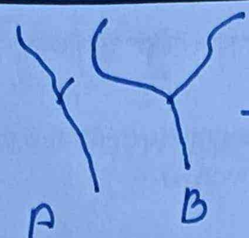

– B द्वारा नदी A की सहायक नदी का अपहरण

हिमालय नदी अपवाह प्रणाली

① अधिकांश नदियाँ हिमालय उत्थान के साथ विकसित हुयीं। eg: गंगा में विभिन्न नदियों का जल मिलना।

② ब्रह्मपुत्र नदी में विभिन्न नदियों का जल मिलना।

③ इसी तरह हिमालयी नदी अपवाह प्रणाली विभिन्न रूपों में विकसित हुयी है।

समग्रतः हिमालयी नदी प्रणालियों में हिमपिघलन, मुलायम चट्टानों की संरचना तथा नदी प्रवाह के कारण क्रमिक नदी अपहरण प्रणाली से नदी प्रारूप विकसित हुए हैं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. बहुधात्विक ग्रंथिकाओं (पॉलिमेटेलिक नोड्यूल्स) के भौगोलिक वितरण का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए, उनके महत्व पर चर्चा कीजिए।

Illustrate the geographical distribution of polymetallic nodules and discuss their significance. (Answer in 150 words) 10

बहुधात्विक ग्रंथिकाएँ या पॉलिमेटेलिक नोड्यूल्स आलू के आकार के बहुधात्विक खनिज होते हैं जो प्राय: समुद्री अधःतल में वर्षों तक धात्विक संचयन से निर्मित होते हैं।

भौगोलिक वितरण

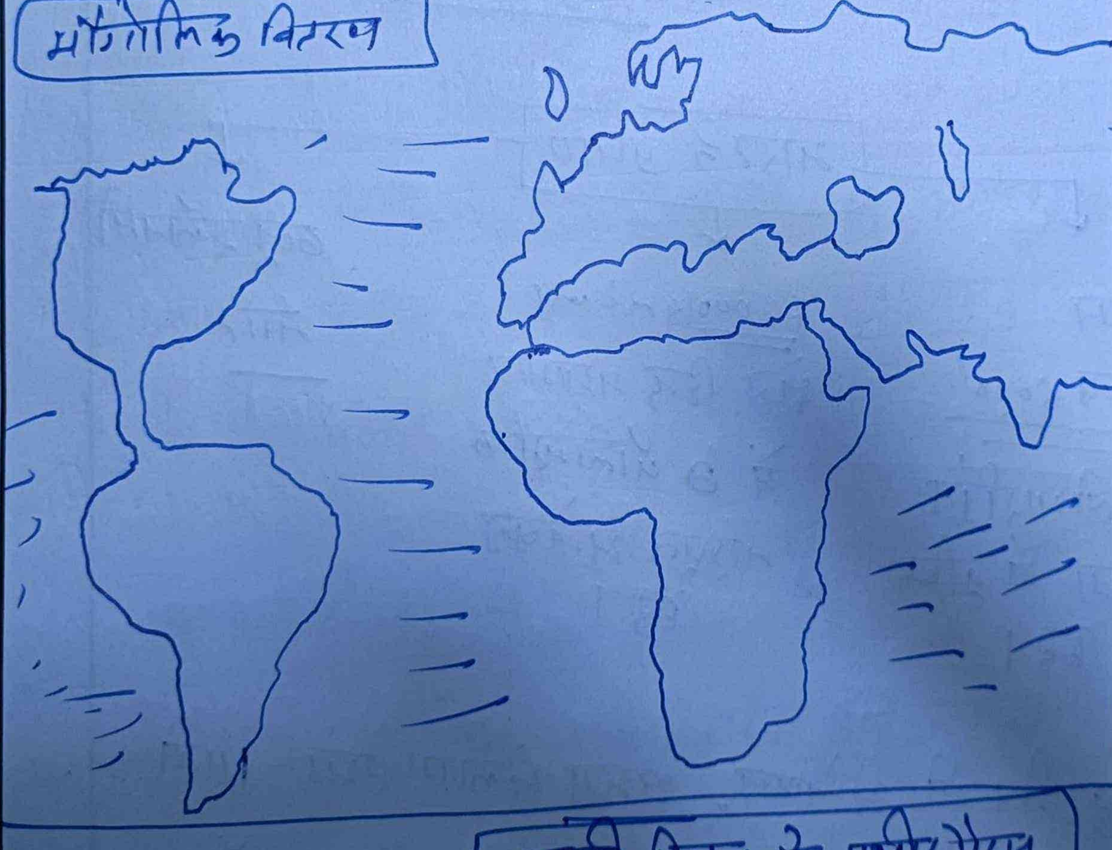

समुद्री नितल के गम्भीर मैदान

प्रमुख क्षेत्र :
- प्रशांत महासागर
- हिन्द महासागर
- अटलांटिक
- आर्कटिक आदि।

महत्व ① बहुधात्विक : इनमें लिथियम, कोबाल्ट जैसी रेयर अर्थ मेटल बहुत बड़ी मात्रा में हैं।

② आर्थिक महत्व : इलेक्ट्रॉनिक उद्योग सहित, धातु संबंधी उद्योगों में महत्व।

③ खनिजों की अधिक मात्रा : थः भूमि पर उपलब्ध खनिज से अधिक धातु अनुपात मिलता है।

भारत के प्रयास

- मिशन समुद्र 6000 — डीप सी माइनिंग क्षमता में वृद्धि हेतु।
- 75000 km² का क्षेत्र हिन्द महासागर में पॉलिमेटैलिक नाड्यूल अन्वेषण हेतु।
- ब्लू इकॉनमी नीति

वस्तुतः डीप सी अन्वेषण, क्षमता विकास तथा पॉली मेटैलिक नॉड्यूल की खोज इत्यादि की संभावनाएँ भारत की इलेक्ट्रॉनिक जरूरतों सहित ब्लू इकॉनमी (संवृद्धि) में सहायक होगी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. द्वीपसमूह से आप क्या समझते हैं? इनके निर्माण में शामिल विभिन्न प्रक्रियाओं को उदाहरण सहित समझाइए।

What do you understand by archipelagos? Explain the different processes involved in their formation, with examples. (Answer in 150 words) 10

द्वीपसमूह प्राय: समुद्रों में उभरी छोटे आकार की भूमियों का संकुल या समूह हैं जैसे- अण्डमान निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, मालदीव इत्यादि।

निर्माण की विभिन्न प्रक्रियाएँ

1. महाद्वीपीय भूखण्डों से विभाजन द्वारा eg: श्रीलंका तथा आसपास के द्वीप भारतीय उपमहाद्वीप के विभाजित भाग हैं।

2. ज्वालामुखी उद्भेदन से निर्मित eg: समुद्र में केन्द्रीय उद्भेदन प्रक्रिया से निर्मित ऊँचे ज्वालामुखी द्वीपसमूह के रूप में उभरते हैं।

eg: दक्षिण पश्चिम प्रशांत सागर के द्वीप
↳ फिजी, नवातु इत्यादि।

2418
VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ कोरल रीफ द्वारा निर्मित : कोरल के निक्षेप से द्वीपों का निर्माण होता है। eg: लक्षद्वीप समूह, मालदीव।

④ पर्वतमालाओं का विस्तार : भूमिगत निमज्जित पर्वतमालाओं के भाग। eg: अण्डमान निकोबार द्वीप हिमालय का समुद्री विस्तार है।

⑤ मध्यमहासागरीय कटक के उभरे भाग

eg: मॉरीशस, अटलांटिक के कुछ द्वीप।

⑥ तरंगों द्वारा निर्मित : समुद्री तरंगों द्वारा तलछट अवसादन व निक्षेपण से कुछ द्वीपों का निर्माण। eg: बांग्लादेश में कुछ द्वीपों का हालिया वर्षों में विकास।

समग्रत: द्वीप समूहों का विकास विभिन्न विधियों से हो सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. भारत में जनजातीय और लोक कलाएं अपने अस्तित्व को बनाए रखने हेतु आधुनिक युग की कई चुनौतियों का सामना कर रही हैं। चर्चा कीजिए। साथ ही, इस संबंध में सरकार द्वारा प्रारंभ की गई विभिन्न पहलों को रेखांकित कीजिए।

Tribal and folk arts in India are confronting several challenges of the modern age in a bid to survive. Discuss. Also, highlight the various initiatives taken by the government in this regard. (Answer in 250 words) 15

भारत में 705 जनजातीय समूह, 75 PVTGs जनजातियाँ हैं जो 18 से अधिक राज्यों में फैली है। कुल जनसंख्या का 8.6 भाग तथा संस्कृति व लोककलाओं की समृद्धि से भारतीय कलागत व सांस्कृतिक समृद्धि का आधार है।

जनजातीय लोककलाएँ

- संगीत eg: मांगणियार (राजस्थान)
- हस्तशिल्प eg: असम का गामोसा, तेलिया रूमाल।
- नृत्यकलाएँ eg: बिहू डांस (असम)
- पेंटिंग eg: मधुबनी
- चिकित्सा उपाय इत्यादि।

वर्तमान में जनजातीय लोककलाओं पर आया

संकट

1. परंपरागत ज्ञान की चाइरिसी: शहरों में जनजातीय लोककलाओं के नकली उत्पाद। eg: मधुबनी पेंटिंग।

2. मशीन आधारित उत्पादों की बाढ़ eg: प्लास्टिक खिलौनों ने गोरखपुर टेराकोटा खिलौना बाज़ार पर असर।

3. युवाओं का कम आकर्षण :- परंपरागत कला से कम आय, अन्य क्षेत्रों में बेहतर अवसर जनजातीय युवाओं का आकर्षण कम कर रहे हैं।

4. पर्याप्त प्रतिष्ठा न मिल पाना : eg; जनजातीय कला को हेय व हीन दर्जा देना तथा 'ब्राण्ड' माइन्डसेट का विकास।

5. कौशल की कमी: जनजातीय लोग अपने लोककला का प्रदर्शन, विक्रय, प्रबंधन, व्यावसायिकरण में असफल।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सरकार के प्रयास

- **GI टैग**
  मधुबनी पेंटिंग पूर्वोत्तर के विभिन्न उत्पाद।
- वैश्विक ब्रांडिंग के प्रयास।
  च: G20 मीटिंगों में जनजातीय उत्पादों की प्रदर्शनी।
- **कौशल विकास प्रयास**
  च: जनजातीय कौशल पुनरुत्थान योजना तथा ONDC की स्थापना → जनजातीय उत्पादों को अधिक पहुँच।

वस्तुतः ई-कामर्स में अलग जनजातीय लोककला उत्पाद प्लेटफॉर्म बनाना, जनजातीय लोक कला उत्सवों महोत्सवों (च: लचम महोत्सव, हॉर्नबिल जैसे मेलों) की संख्या बढ़ाना, लोककलाओं की वैश्विक मार्केटिंग करना तथा उत्पादों के प्रति प्रतिष्ठा व प्रेम का भाव जगाना इत्यादि प्रयास करने चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. भारतीय शास्त्रीय नृत्यों की विशिष्ट विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। साथ ही, चर्चा कीजिए कि ये नृत्य किस प्रकार आध्यात्मिकता की अभिव्यक्ति हैं।
Highlight the distinguishing features of Indian classical dances. Also, discuss how these dances are a manifestation of spirituality. (Answer in 250 words) 15

भारतीय शास्त्रीय नृत्य : भरतमुनि के नाट्यशास्त्र से उदित विभिन्न मौलिक शास्त्रीय नृत्य हैं।

प्रमुख शास्त्रीय नृत्य →

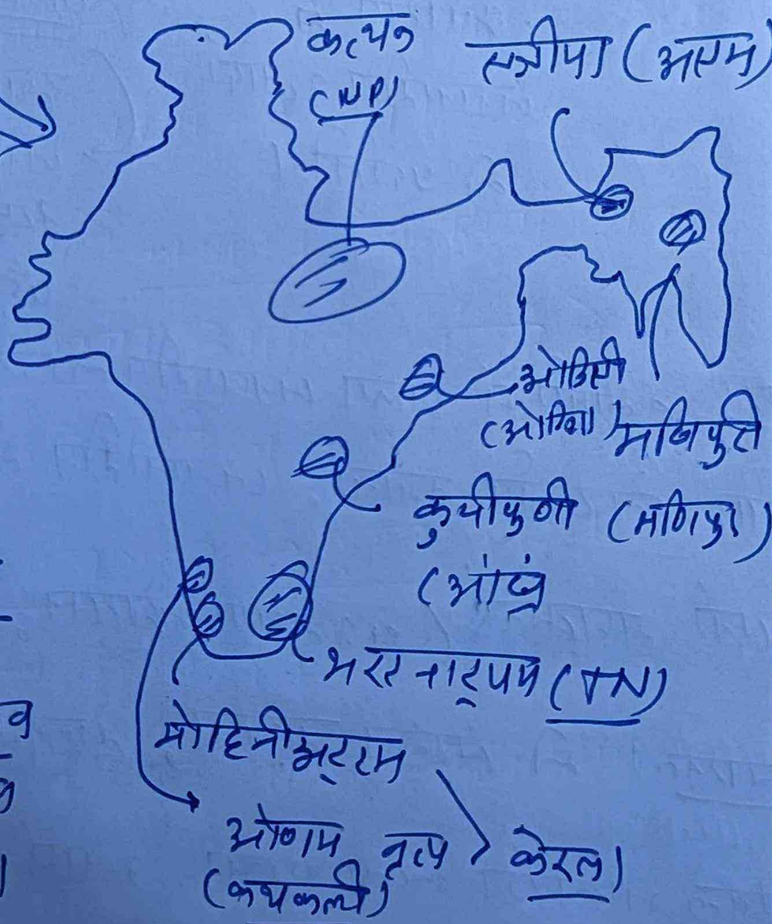

विशिष्टताएँ

① भरतनाट्यम

↳ लास्य व ताण्डव दोनों पर बल

↳ एकल नृत्य।

↳ नृत्य व अभिनय दोनों शामिल।

↳ शारीरिक भंगिमाओं पर अत्यधिक बल।

(2) कुचीपुड़ी → नृत्यांगना पीतल के थाल पर पैर रख कर नृत्य।
↳ सिर में कलश रख कर नृत्य (तरंगम)
↳ यक्षगान का पार्श्वध्वनि में प्रयोग।

(3) कथक :→ हिंदू मुस्लिम संस्कृति का समन्वय
↳ तालबद्ध पदचाप, हिन्दुस्तानी संगीत के साथ नृत्य।
↳ लास्य तत्व की प्रधानता।

(4) कथकली :→ केरल की स्थानीय लोकनाट्य संस्कृति से प्रेरित।
↳ तांडव व लास्य का सम्मिलन।
↳ महाभारत, रामायण की मूक प्रस्तुति।
↳ नेत्र व भौं संचालन प्रमुख।

(5) मोहिनीअट्टम : पौराणिक कथा-पर आधारित।
↳ लास्य व कोमलता पर अधिक ध्यान।
↳ सामान्यतः महिलाओं द्वारा एकल प्रस्तुति।

(6) ओडिसी : → सभी शास्त्रीय नृत्यों में प्राचीन
↳ त्रिभंग मुद्रा की प्रमुखता।
↳ भगवान जगन्नाथ की भक्ति का आधार।

(7) सत्रीया → असम में शंकरदेव द्वारा प्रारंभ
↳ इसके विभिन्न भाग जैसे - दशावतार, अप्सरा आदि

(7) मणिपुरी → ताण्डव लास्य दोनो का प्रयोग।
↳ ढोल के वाद्य या नृत्य।
↳ भंगिमाओं का उपयोग, सामूहिक नृत्य।

आध्यात्मिक तत्व

① अधिकांश नृत्यों में पौराणिक अभिव्यक्तियाँ
यः मोहिनी अट्टम में भस्मासुर, विष्णु व शिव की कथा।

② अधिकांश नृत्यों का प्रारम्भ देवदासियों द्वारा मंदिर में भगवान के समक्ष प्रस्तुति से हुआ
यः ओडिसी का भगवान शिव के समक्ष।

③ भरतमुनी का नाट्य शास्त्र → उद्गम स्रोत।
↳ भरतमुनि नाट्य व नृत्य को शिव के ताण्डव नृत्य से उत्पन्न मानकर आध्यात्मिक सोपान का एक पक्ष मानते हैं।

स्पष्टतः भारतीय शास्त्रीय नृत्य अपने मूल रूप में भक्ति व आध्यात्मिकता के साथ लोक विचारों की अभिव्यक्तियाँ हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. चौरी-चौरा की घटना द्वारा भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष की गति को कुछ समय के लिए धीमा कर देने के बावजूद, असहयोग आंदोलन भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष के इतिहास में एक निर्णायक मोड़ के रूप में बना रहा है। चर्चा कीजिए।

Despite the Chauri Chaura incident slowing down the momentum of Indian freedom struggle for a while, the Non-Cooperation Movement remains a watershed in the history of the Indian freedom struggle. Discuss. (Answer in 250 words) 15

चौरी चौरा घटना जनवरी 1922 में हुयी जिसमें विरोध प्रदर्शन कर रही भीड़ पर पुलिस ने गोलियाँ चलायी, जवाबी हमले में भीड़ ने थाने में आग लगा दी जिसमें 22 पुलिस कर्मी मारे गये।

घटना का असहयोग आंदोलन पर प्रभाव

① आंदोलन वापसी की घोषणा
↳ महात्मा गांधी द्वारा, कांग्रेस कार्यसमिति द्वारा
↓
रचनात्मक कार्यों पर ध्यान
- हिन्दू मुस्लिम एकता
- अस्पृश्यता उन्मूलन
- खादी को प्रोत्साहन
- आत्मनिर्भरता को बढ़ाना।

② कांग्रेस में आंतरिक विरोध।
बोस, नेहरू इत्यादि द्वारा गांधी जी की आलोचना।

↳ स्वराज पार्टी का गठन।

③ कांग्रेस में सक्रियतावादी व निष्क्रियतावादी धड़ों का उदय।

④ जनता के उत्साह में कमी आयी है आंदोलन की गति पर व्यापक प्रभाव पड़ा इत्यादि

असहयोग आंदोलन भारतीय स्वतन्त्रता आंदोलन में

एक निर्णायक मोड़ बना रहा

① जनता की बढ़ी हुयी राजनीतिक भागीदारी

यथा महिलाएँ, मजदूर (एटक), मुस्लिम, कृषक आदि।

② आंदोलन का अखिल भारतीय प्रभाव

↳ इससे पूर्व स्वदेशी आंदोलन बंगाल तक सीमित था।

③ ग्रामीण व शहरी विभाजन में कमी आयी तथा आंदोलन व स्वातन्त्र्य चेतना का अखिल भारतीय विस्तार हुआ। इसी कारण

आगे सविनय अवज्ञा आंदोलन को व्यापक सफलता मिली।

(4) स्वदेशी को बढ़ावा : ब्रिटिश आयातित माल की मांग तेजी से घटी, स्थानीय उद्योगों का लाभ बढ़ा।

(5) जनता का बढ़ा विश्वास : अंग्रेजी जातीय श्रेष्ठता का भ्रम टूटा तथा आत्मविश्वास का संचार हुआ व स्वतंत्रता की उम्मीद मजबूत हुयी

(6) सरकार पर प्रभाव → आंदोलन से सरकार डर गयी।
→ प्रशासन, राजस्व पर भारी प्रभाव।
↓
राजनीतिक व जन प्रतिरोध की घबराहट।

इस प्रकार, असहयोग आंदोलन ने वह आधार तैयार किया जिसपर सविनय अवज्ञा आंदोलन व 'भारत छोड़ो आंदोलन' चलते हुए 1947 में भारतीय स्वतंत्रता को अंजाम तक पहुंचाया।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. शिक्षा और विदेशी मामलों के क्षेत्र में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के योगदान को वर्णित कीजिए।
Bring out the contributions of Dr. Sarvepalli Radhakrishnan in the fields of education and foreign affairs. (Answer in 250 words) 15

डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति व द्वितीय राष्ट्रपति थे।

शिक्षा में योगदान

(1) स्वयं एक महान शिक्षक थे। व BHU में शिक्षण किया।

(2) नारी शिक्षा के समर्थक : उन्होंने कहा 'Give me Educated mothers I will give you a great Nation"

(3) प्राच्य (पश्चिमी) ज्ञान विज्ञान को भारतीय शिक्षा प्रणाली में शामिल करवाया।

(4) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की स्थापना में योगदान।

(5) भारतीय शिक्षा प्रणाली को वैज्ञानिक; अनुसंधान

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

मुक्त, तार्किक चिंतन तथा दार्शनिक विचारों से मुक्त होने पर जोर दिया।

विदेशी मामलों में योगदान

1. USSR से रिश्तों के सुदृढ़ीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका।

2. NAM की स्थापना, वैचारिक आधार तथा सहयोगी देशों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

3. बहुपक्षीय संस्थाओं में भारत का नेतृत्व व भागीदारी बढ़ाने का प्रबल समर्थन किया। यथा: UN, IMF आदि में।

4. स्वातन्त्र्योत्तर भारत में विदेशी मामलों के गहन जानकार के रूप में भारतीय

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

विदेश नीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

समग्रत: डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन स्वतंत्र भारत की मजबूत शैक्षणिक व विदेश नीति की नींव रखने में सफल रहे। जिसका प्रभाव USSB से मित्रता संधि से लेकर बहुपक्षीय संस्थाओं में भारतीय प्रतिनिधित्व के रूप में वर्तमान तक देखा जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. कृषि के नारीकरण को प्रेरित करने वाले कारकों को सूचीबद्ध कीजिए तथा इसके प्रभावों पर चर्चा कीजिए। साथ ही, उन तरीकों का भी वर्णन कीजिए जिनके माध्यम से महिलाओं को इस संदर्भ में सशक्त बनाया जा सकता है।

Enumerate the factors driving feminization in agriculture and discuss its effects. Also, state the ways in which women can be empowered in this regard. (Answer in 250 words) 15

कृषि के नारीकरण से तात्पर्य महिलाओं की कृषि में बढ़ती भागीदारी से है। कृषि जनगणना के अनुसार ग्रामीण कृषकों में 70% से अधिक महिला भागीदारी है; कृषि श्रमिकों में 80% तथा कृषि सम्पत्ति के मालिकाना हक में 14% भागीदारी महिलाओं की है जो निरंतर बढ़ रही है।

इसके कारक

① पुरुषों का प्रवास : ↳ रोजगार की तलाश में
↳ शिक्षा के लिए

② सुलभ व सस्ता नारी श्रम : कृषि में महिलाएँ कम वेतन पर कार्य करती हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3) राज्यों की नीतियाँ एवं कम स्वामित्व इकाई

↓

महिलाओं के नाम कृषि भूमि क्रय में वृद्धि।

(4) महिलाओं की बढ़ती भूमिका : रोजगार में बढ़ती भूमिका (32% PLFR)

→ 2/3 पशुपालन महिलाओं की भूमिका।

प्रभाव

नकारात्मक

(1) महिलाओं में कम विशेषज्ञता (प्रभाव)

⇓

कम कृषि उत्पादकता।

(2) महिलाओं पर बढ़ा कार्यभार

घर + कृषि ⇒ शिक्षा, स्वास्थ्य में कमी।

सकारात्मक

(1) महिला सशक्तिकरण

⇓

परिवार समाज में बढ़ी भूमिका

⇓

पितृसत्तात्मकता में कमी।

(2) स्वास्थ्य, सुरक्षा, शिक्षा कौशल में वृद्धि

⇓

आय → स्वतंत्र निर्णयन

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3) महिलाओं की कम आय ⇓ कम वेतन, तथा पारिवारिक भूमिका में आयी कमी	(4) संपत्ति में बढ़ी भागीदारी (5) पुरुषों पर निर्भरता में आयी कमी

तरीके: महिलाओं के कृषि में सशक्तीकरण के

(1) महिला नेतृत्व वाले FPOs का गठन ! क्योंकि 86% किसान सीमांत व लघु 1.08 हेक्टेयर औसत जोत।

(2) महिला सहायक उपकरण विकास यथा: ट्रैक्टर, तथा अन्य उपयोगी सामान।

(3) कौशल निर्माण :- SHGs की कृषि सखी द्वारा महिला किसानों की ट्रेनिंग।

तथा महिला केन्द्रित कृषि योजना निर्माण, महिला कृषि श्रमिकों की पहचान (+ प्रोफाइलिंग हो) तथा योजना लक्ष्यीकरण इत्यादि करना होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2418

VISION IAS™

16. भारत में, आत्महत्या 15-29 आयु वर्ग के लोगों में मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक बन गई है। इसके लिए उत्तरदायी कारणों को स्पष्ट करते हुए, राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति के प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों पर चर्चा कीजिए।

In India, suicide has become one of the leading causes of death among those aged 15-29. Bringing out the reasons behind the same, discuss the priority areas of the National Suicide Prevention Strategy. (Answer in 250 words) 15

NCRB के अनुसार 2022 में 2021 की तुलना में आत्महत्या के मामलों में 7% की वृद्धि हुयी। इसमें अधिकांश 15-29 आयुवर्ग के थे। हाल ही में 1 ही दिन में कोटा में 2 नीट छात्रों ने आत्महत्या की

उत्तरदायी कारण

(1) कैरियर व शिक्षा का दबाव

eg: परीक्षा का दबाव! (IIT छात्रों द्वारा आत्महत्या)

eg: परिणामों का दबाव eg: (UP बोर्ड रिजल्ट के बाद विभिन्न छात्रों द्वारा आत्महत्या)

(2) पारिवारिक समस्याएँ

पुरुष

- घरेलू दबाव, जिम्मेदारियाँ
- पीढ़ीगत संघर्ष
- वैवाहिक जीवन में तनाव

महिलाएँ

- घरेलू हिंसा व दमन।
- दहेज उत्पीड़न।
- यौन शोषण आदि

③ रोज़गार की कमी व आर्थिक तंगी:

ex: कर्ज़दार व्यवसायियों द्वारा आत्महत्या।

ex: बेरोज़गार युवकों द्वारा आत्महत्या।

④ मानसिक रोग व बीमारियाँ

ex: पागलपन, तनाव, मानसिक बीमारी

ex: असाध्य रोग, सामाजिक कलंक संबंधी रोग (ex: HIV)

इस बढ़ती प्रवृत्ति से निपटने हेतु सरकार **राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति** लाई है।

प्राथमिकताएँ

- 2030 तक आत्महत्याओं में कमी लाना।
- डाटा का विश्वसनीय संग्रहण
- अनुक्रिया संरचना निर्माण (बचाव रणनीति काउंसलिंग सहायता आदि)
- सामुदायिक सहयोग / जागरूकता निर्माण: आत्महत्या मानसिकता समझने में

आगे की राह

① मानसिक स्वास्थ्य देखभाल नीति का विस्तार

- शैक्षिक संस्थानों में काउंसलिंग सेंटर बनाना, मनोचिकित्सक तैयार करना।
- शिक्षण स्कूलों (यथा: कोटा, मुखर्जी नगर) में नियमित रूप से कैंप लगाना तथा खेल, मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन।
- बजटवृद्धि व स्थानीय संगठनों का सहयोग।

वस्तुतः जनजागरूकता, आध्यात्मिकता व स्वास्थ्य जीवन शैली को बढ़ावा देना, कक्षा 5 से ही पाठ्यक्रम में तनाव प्रबंधन, भावनात्मक बुद्धिमत्ता के पाठ जोड़ना, सामुदायिक व पारिवारिक सहयोग लेना। इस क्षेत्र में लगे NGO की सहायता लेना आदि कार्य करने चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. विश्व भर में पाए जाने वाले विभिन्न प्रकार के मरुस्थलों के निर्माण की व्याख्या करते हुए, उनका विवरण प्रस्तुत कीजिए और उनकी विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

Explaining their formation, provide an account of the various kinds of deserts found across the world along with their characteristics. (Answer in 250 words) 15

मरुस्थल 25 cm से कम वर्षा की भूमि होती है यह सामान्यतः कंटीली झाड़ियों और रेतीली मिट्टी से युक्त होती है। मरुस्थलों का वैश्विक वितरण

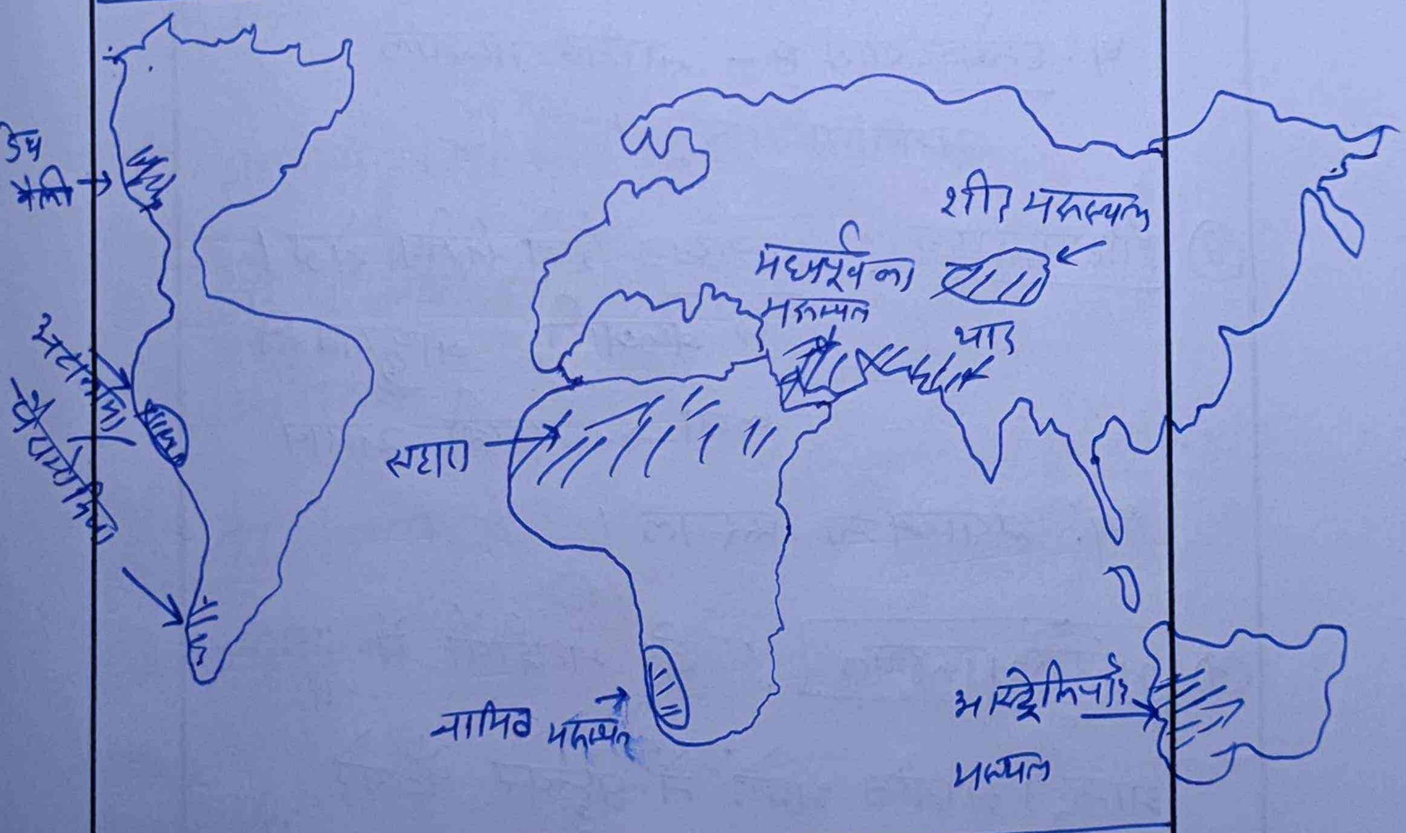

निर्माण प्रक्रिया ~~एवं विशेषता~~

① उपोष्ण कटिबंधीय क्षेत्र : (15-30° उत्तर दक्षिण)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ वायुमण्डलीय वायु का अवरोहण क्षेत्र।
↳ वायु दाब अधिक, प्रतिचक्रवातीय स्थिति।
↳ अत्यल्प वर्षा → मरुस्थल विकास eg: सहारा, मध्यपूर्व।

② ठण्डी समुद्री धाराओं के प्रभाव से निर्मित

↳ ठण्डा प्रभाव → वायु में अधिक दबाव।
⇓
कम वर्षा।

eg: हम्बोल्ट धारा से - नामिब मरुस्थल
अटाकामा मरुस्थल।

③ शीत मरुस्थल: अत्यधिक ऊँचे पर्वतीय क्षेत्र।
↳ बर्फबारी, वायुदाब की कमी → वनस्पती अभाव

eg: लद्दाख का मरुस्थल।

④ आंतरिक मरुस्थल: बड़े महाद्वीपों में मानसून आंतरिक भागों में पहुँचते पहुँचते नमी खो देता है → कम वर्षा → मरुस्थल
eg: आस्ट्रेलिया के मरु

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(5) वृष्टि छाया क्षेत्र : पर्वतों से उतरती वायु के गर्म होकर शुष्क परिस्थितियाँ निर्मित करती है यथा: चिनूक पवन द्वारा USA की डेथ वैली मरुस्थल।

मरुस्थल की विशेषताएँ

(1) शुष्क वातावरण → जलाभाव।

(2) झाड़ियों, छोटी घास की अधिकता।

(3) छोटे व लंबी टांगों वाले जीवों की अधिकता यथा: मकड़ी, छिपकली, बिच्छू।

(4) गैर उपजाऊ क्षेत्र।

(5) अल्प/अल्प आबादी

समग्रत: मरुस्थल पृथ्वी के बड़े भाग में विस्तृत है पृथ्वी की पारिस्थितिकी में इनका अलग/विशिष्ट योगदान है।

18. भू-संचलन के कारण निर्मित झीलों का संक्षिप्त विवरण देते हुए, झीलों के आर्थिक और पारिस्थितिक महत्व पर चर्चा कीजिए।

Giving a brief account of the lakes formed due to Earth's movement, discuss the economic and ecological significance of lakes. (Answer in 250 words) 15

झीलें जल के स्थल से घिरे बड़े निकाय होते हैं। इनका निर्माण भूसंचलन, हिमकर्तन, भूकंप, ज्वालामुखी तथा ब्रह्माण्डीय पिण्ड टकराव से हो सकता है।

भूसंचलन से निर्मित झीलें

→ विवर्तनिक घटनाएँ
↓
प्लेटों का विपरीत संचलन eg: बैकाल झील, ग्रेट अफ्रीकन रिफ्ट झीलें।

→ भूमि धंसाव
भूकंप, ज्वालामुखी से।
↳ USA तथा अफ्रीका की कुछ झीलें।

झीलों का महत्व

आर्थिक (1) पर्यटन के प्रमुख साधन

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

था: USA की ग्रेट लेक्स

(2) महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्ग था! कैस्पियन सागर, USA की ग्रेट लेक्स।

(3) जल संसाधन का आधार था: टिटिकाका व बैकाल झील।

(4) मत्स्यन, जलीय कृषि का आधार
था: भारत की प० बंगाल में स्थित कुछ झीलें।

(5) महत्वपूर्ण आर्थिक संसाधन:
था! पेट्रोलियम रिजर्व, धात्विक खनिज आदि।

पर्यावरणीय महत्व

(1) पारिस्थितिकी का महत्वपूर्ण आधार
था: लोकटक झील में संगाई डीयर

↳ प्रवासी पक्षियों के डेरा था! भरतपुर की झील

(4) जलनिस्पंदन; भूजल पुनर्भरण में सहयोग।

(5) हानिकारक पदार्थों का प्राकृतिक शुद्धिकरण।

(6) जलीय जीवों का संरक्षण जैसे: मछली प्रजातियाँ, कछुवे इत्यादि।

समग्रतः झीलें पारिस्थितिकी, पर्यावरणीय, भौगोलिक महत्व रखती हैं जलवायु परिवर्तन रोकने में इनका महत्वपूर्ण योगदान है। रामसर कन्वेंशन का विस्तार, झीलों से मानवीय अतिक्रमण हटाना, तथा संधारणीय परिरक्षण करना व वैश्विक सहयोग का झीलों को मानवीय विरासत के रूप में संरक्षित करना चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. भारत के पास 1,80,000 मेगावाट महासागरीय तापीय ऊर्जा उत्पादित करने की क्षमता है, हालांकि, इस दिशा में प्रगति धीमी रही है। इस संदर्भ में संबंधित चुनौतियों को रेखांकित कीजिए और सुधारात्मक उपायों का सुझाव दीजिए।

India has the potential to generate 180,000 MW of ocean thermal energy, however, progress in this regard has been slow. In this context, highlight the associated challenges and suggest remedial measures. (Answer in 250 words) 15

भारत के पास 7500 Km लंबी तटरेखा और 20 लाख Km^2 से अधिक का EEZ है जिसमें 180,000 MW की महासागरीय तापीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता है।

महासागरीय ताप ऊर्जा महासागर के सतही व गहरे जल के तापान्तर का प्रयोग कर यांत्रिक विधि से उत्पादित विद्युत ऊर्जा है।

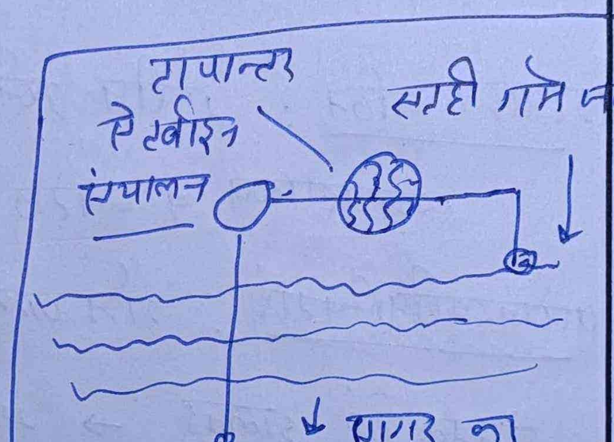

eg: पृथ्वी मंत्रालय के तहत तापीय ऊर्जा उत्पादन संगठन ने लक्षद्वीप में एक महासागरीय तापीय ऊर्जा उत्पादन संयंत्र स्थापित किया

क्षमता होने के बावजूद निम्न चुनौतियों के कारण यह प्रक्रिया धीमी रही है। जिसके

निम्नलिखित कारण / चुनौतियाँ हैं

(1) वित्तीय : संयंत्र स्थापना हेतु भारी पूँजीगत निवेश चाहिए

(2) प्रौद्योगिकी : यह जटिल प्रौद्योगिकी प्रणाली की माँग करता है।

(3) उत्पादन कठिन : तापीय ऊर्जा उत्पादन एक समयसाध्य व जटिल प्रणाली है

(4) पर्यावरणीय चिंताएँ : गर्म जल को सागरीय नितल में डालना → महासागरीय पारिस्थितिकी संबंधी चिंताएँ।

(5) जल में संयंत्र स्थापना, प्लेटफार्म निर्माण इत्यादि काफी कठिन है।

सुधारात्मक उपाय

(1) केन्द्र व राज्य समन्वय : तापीय ऊर्जा संभावित

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

राज्यों को वित्तीय सहायता देना।

(2) विस्तृत नीतिगत लक्ष्य घोषणा : पंचामृत लक्ष्यों से समन्वय साधते हुए।

(3) निजी निवेश आकर्षण के लिए परिस्थितियों का सृजन करना।

(4) रोज़गार संभावनाओं को शामिल करते हुए महासागरीय तापीय उपक्रमों की स्थापना करना।

वस्तुतः वृद्धशील विद्युत ऊर्जा माँग, बढ़ता शहरीकरण, नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य व पंचामृत घोषणाओं आदि की प्राप्ति में सागरीय तापीय ऊर्जा का महत्व है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. भारत में प्राकृतिक गैस हाइड्रेट्स की उपलब्धता का वर्णन करते हुए, उनके महत्व के साथ-साथ उनके अन्वेषण से जुड़ी चुनौतियों पर चर्चा कीजिए।

Bringing out the availability of natural gas hydrates in India, discuss the promise as well as the challenges associated with their exploration. (Answer in 250 words) 15

प्राकृतिक गैस हाइड्रेट्स मेथेन व जल के मिश्रित ठोस संरचनाएँ है जो गहरे समुद्री नितल में मिलते हैं।

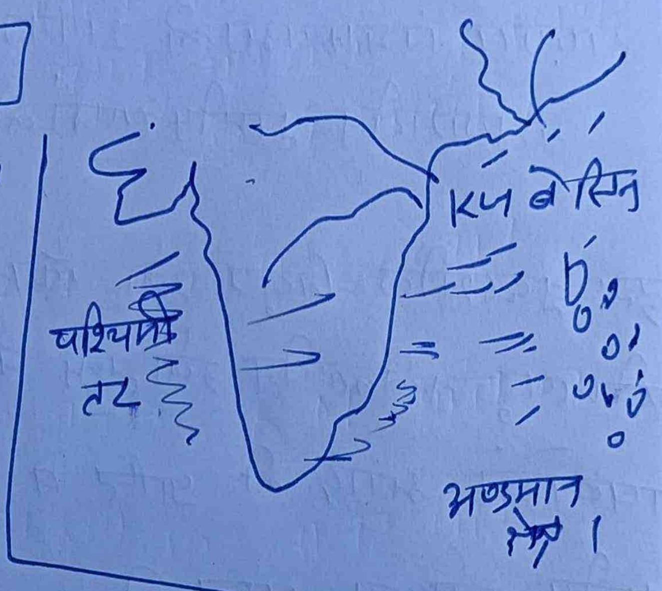

भारत में उपलब्धता

① कृष्णा गोदावरी तथा महानदी बेसिन।

① पश्चिमी व पूर्वी मग्न तट तथा भारतीय EEZ

① अण्डमान; निकोबार के क्षेत्र।

प्राकृतिक गैस हाइड्रेट्स का महत्व

① ऊर्जा :— पेट्रोलियम, गैस आदि से अधिक ऊर्जा क्षमता।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) भारत में व्यापक उपलब्धता

10% के खनन से 100 वर्ष की ऊर्जा आवश्यकताएँ पूरी हो सकती।

(3) भारत का ऊर्जा आयात का भारी बिल :

यः 150 B USD से अधिक का पेट्रोलियम आयात

आवश्यकता का 85% 2022

(4) भारत को गैस अर्थव्यवस्था में परिवर्तित करने तथा शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य प्राप्ति में सहायक।

(5) कम प्रदूषक → कम CO_2 उत्सर्जन।

अन्वेषण में चुनौतियाँ :

(i) जटिल टेक्नोलॉजी की आवश्यकता

(गहरे समुद्र में ड्रिलिंग, अन्वेषण, खनन)

(ii) भारी पूँजीगत निवेश आवश्यक।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) पर्याप्त सरकारी प्रोत्साहन का अभाव।

आगे की राह

- मत्स्य -6000 प्रोजेक्ट का विस्तार
  - पॉली मेटेलिक नाड्यूल के साथ गैस हाइड्रेट अन्वेषण के व मैपिंग।
- निजी निवेश आकर्षण (सब्सिडी, टैक्स छूट, निर्यात छूट देना।
- प्रौद्योगिकीय विकास → R&D प्रोत्साहन
- पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा एक लक्षित नीति निर्माण।

गैस भविष्य का ईंधन होने के साथ भारतीय आर्थिक शक्ति की संचालक हो सकती है। इसलिए गैस हाइड्रेट के अन्वेषण हेतु तीव्र प्रयास करने चाहिए।